



न्यायालय

## सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी

गुड़ामालानी

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2023 / 342

दर्ज तिथि:-06.10.2023

1. इसराराम पुत्र प्रेमराम  
जाति कलबी निवासी गुड़ामालानी तहसील गुड़ामालानी।

.....वादी

1. अशोक कुमार पुत्र रूपाराम
2. चन्द्रा पत्नी मगाराम
3. चैनाराम पुत्र दौलाराम
4. छगनीदेवी पत्नी रूपाराम
5. जगदीश पुत्र रूपाराम
6. नरपत पुत्र रूपाराम
7. पुखराज पुत्र दौलाराम
8. भीमाराम पुत्र मगाराम
9. मदन पुत्र रूपाराम
10. मोहन पुत्र रूपाराम
11. शंकर पुत्र मगाराम
12. श्रवण पुत्र मगाराम
13. हरी पुत्र मगाराम
14. देवाराम पुत्र श्रवण
15. पुजा पुत्री श्रवण
16. भोजी पत्नी श्रवण
17. स्वरूपा पुत्र श्रवण

जाति देशान्तरी निवासी गुड़ामालानी तहसील गुड़ामालानी

.....असल प्रतिवादीगण

18. तहसीलदार गुड़ामालानी।

.....तकमीली प्रतिवादीगण

उपस्थित अधिवक्ता

वादीगण:- श्री मोहनलाल विश्नोई

प्रतिवादीगणगण:- श्री डालूराम चौधरी

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955

—:निर्णय:—



1. आज यह पत्रावली वाद पत्र अन्तर्गत धारा—53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम—1955 का बाबत घोषणा, तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा वास्ते निर्णय किये जाने पेश हुआ है। प्रकरण का सूक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि वादीगण की ओर से वाद पत्र अन्तर्गत धारा—53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम—1955 बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा के तहत पेश कर निवेदन किया गया कि संयुक्त आराजी खसरा संख्या 1756 / 5.2690 है0 मौजा गुड़ामालानी पटवार हल्का गुड़ामालानी तहसील गुड़ामालानी में अवस्थित है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादी एवं प्रतिवादीगण असल की शामलाती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। राजस्व रिकॉर्ड जमाबंदी में वादी के हिस्से खुले हुए हैं तथा आराजी संयुक्त खातेदारी में दर्ज है। यह विवादित आराजी अविभाजित है जिसका राजस्व रिकॉर्ड में अभी तक विधिक तकासमा नहीं हुआ है। असल प्रतिवादीगण वादी की उक्त हिस्सा आराजी के कुल कार्य काश्त में रुकावट व मजाहमत पैदा करते हैं एवं जबरन लठ के बल कब्जा कर वादीगण को अपने हिस्सा आराजी से बेदखल कर निर्माण कार्य, दीगर लोगों रहन बैय मुन्तकिल करना चाहते हैं। अंत में वाद पत्र में उक्त विवादित आराजीयात का पक्षकारान के मध्य विधिक तकासमा किया जाकर कुर्रजात कायम कराया जाकर अलग से खाता कायम कराया जाकर सहखातेदारों के लिए रास्ता कायम किया जाकर तकसीम शुदा आराजी का अमल राजस्व रिकॉर्ड में कराया जाकर वादी को तकसीम शुदा आराजी पर दखल दिलाया जाने का निवेदन किया गया।
2. वाद दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। बाद विधिवत तामिल प्रतिवादीगण संख्या 08, 10, 11 एवं 13 असालतन वकालतन उपस्थित न्यायालय हाजिर हुए। शेष प्रतिवादीगण के बावजूद विधिवत तामिल अनुपस्थित रहने से शेष प्रतिवादीगण के विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गयी। प्रतिवादीगण संख्या 08, 10, 11 एवं 13 असालतन वकालतन उपस्थित न्यायालय होकर सीधे बहस का निवेदन किया।
3. तत्पश्चात प्रकरण में विद्वान अभिभाषकगण उभयपक्षकारान की जिरह सुनी गई। विद्वान अभिभाषक वादी ने दौरान ए जिरह संयुक्त आराजी में से अपना खाता मुताबिक जमाबंदी पृथक कर बंटवारा किये जाने का निवेदन किया। विद्वान अभिभाषक प्रतिवादीगण संख्या 08, 10, 11 एवं 13 ने दौरान ए बहस प्रतिवादीगण संख्या 08, 10, 11 एवं 13 का भी मुताबिक जमाबंदी हक हिस्सानुसार खाता पृथक किये जाने का निवेदन किया।
4. प्रकरण में प्रारम्भिक डिक्री दिनांक 13.01.2025 को जारी की जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी से कुर्रजात रिपोर्ट तलब की गई। तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा अपने पत्रांक / कोर्ट / 2025 / 941 दिनांक 13.06.2025 के द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम—1955 के नियम—18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रजात रिपोर्ट प्रेषित की गई। उक्त कुर्रजात रिपोर्ट पर प्रतिवादी अधिवक्ता द्वारा आपत्ति करते हुए निवेदन किया कि कुर्रजात रिपोर्ट न्यायालय हाजा द्वारा जारी प्राथमिक डिक्री दिनांक 13.01.

2025 के अनुसार तहसीलदार द्वारा विभाजन प्रस्ताव तैयार कर प्रेषित नहीं किया गया है। उक्त कुर्रेजात रिपोर्ट में सिर्फ वादी का खाता अलग किया गया है। प्रतिवादी अधिवक्ता ने निवेदन किया कि प्रतिवादी संख्या 08, 10, 11 एवं 13 का खाता मुताबिक जमाबंदी अलग कर पुनः विभाजन प्रस्ताव मंगवाया जावे।

5. प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा अपने पत्रांक/कोर्ट/2025/1682 दिनांक 21.11.2025 के द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार पुनः मौका कुर्रेजात रिपोर्ट प्रेषित की गई। अभिभाषक उभयपक्षकारान द्वारा सहमति प्रदान की तथा प्रकरण में अंतिम बहस सुनी गई। तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा अपने पत्रांक पत्रांक/कोर्ट/2025/1682 दिनांक 21.11.2025 के द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रेजात रिपोर्ट को तैयार करने की प्रक्रिया का विवरण निम्न प्रकार है:-

प्रक्रिया हेतु प्रावधान	अपनायी गई प्रक्रिया
<p><b>21. Preparation of map and demarcation of sub-divided fields.</b> - The Tehsildar shall prepare and place on record map showing in different colours the plots given to each party, and if any field has been sub-divided, he shall demarcate the portion at the expense of the parties.</p>	<p>प्रकरण में दिनांक 31.10.2025 को तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा मय पटवारी/गिरदावर स्वयं मौका निरीक्षण किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>
<p>प्रकरण में पक्षकारों को मौका निरीक्षण हेतु जरिये नोटिस मौका निरीक्षण की दिनांक के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>	<p>1. प्रकरण में समस्त वादीगण एवं प्रतिवादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी के नोटिस पत्रांक 2638-2655 दिनांक 17.09.205 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 31.10.2025 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p> <p>2. प्रकरण में समस्त वादीगण एवं प्रतिवादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी के नोटिस पत्रांक 2638-2655 दिनांक 17.09.205 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 31.10.2025 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>

6. प्रकरण में वादीगण एवं प्रतिवादीगण द्वारा कुर्रेजात रिपोर्ट पर दी गई दौराने बहस सहमति प्रदान की गई। तत्पश्चात पत्रावली पर बहस पर मनन किया एवं संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2072-2076 तथा कुर्रेजात रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण हाल आराजी

खसरा संख्या 1756 / 5.2690 है0 मौजा गुड़ामालानी पटवार हल्का गुड़ामालानी तहसील गुड़ामालानी के संयुक्त खातेदार है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण की शामिलती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। जिस संयुक्त आराजी में वादीगण तथा असल प्रतिवादीगण का हिस्सा दर्ज रिकॉर्ड होना प्रमाणित होता है। उक्त विवादित आराजीयात अविभाजित है एवं राजस्व रिकॉर्ड में पक्षकारान के मध्य विधिक तकासमा नहीं हुआ है। वादीगण की कुर्रैजात रिपोर्ट पर सहमति को ध्यान में रखते हुए पक्षकारान के मध्य उक्त विवादित आराजीयात् का विधिक तकासमा किया जाना आवश्यक है। अतः दावा वादीगण मुताबिक विभाजन-प्रस्ताव (कुर्रैजात रिपोर्ट) मय नक्शा-ट्रेस एवं पक्षकारान सहमति के अनुसार डिक्री किया जाना न्यायोचित है।

7. प्रकरण में वादीगण द्वारा तकसीम आराजी के साथ-साथ स्थाई निषेधाज्ञा का अनुतोष का भी जिक्र किया गया। प्रकरण में वादीगण के अनुतोष के विवेचन हेतु तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है। जो कि निम्न प्रकार है:-

**188. Injunction against wrongful ejectment—**

(1) Any tenant whose right to or enjoyment of the whole or a part of his holding is invaded or threatened to be invaded by his landholder or any other person may bring a suit for the grant of a perpetual injunction.

(2) The court may after making the necessary enquiry grant a perpetual injunction in the following cases, namely-

(a) if there exist no standard for ascertaining the actual damage caused or likely to be caused by the invasion;

(b) if the invasion is such that pecuniary compensation does not afford adequate relief;

(c) where it is probable that pecuniary compensation cannot be got for the invasion.

(d) where the injunction is necessary to prevent a multiplicity of proceedings.

8. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 के अवलोकन से स्पष्ट है कि धारा-188 के अन्तर्गत किसी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारो की आमदरफत में किसी प्रकार का व्यवधान/अतिक्रमण किया जा रहा हो/किया जाने वाला हो उस स्थिति में व्यवधान उत्पन्न/अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किए जाने के प्रावधान बनाए गए है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 की उपधारा-2 में स्थाई निषेधाज्ञा जारी किए जाने हेतु निम्न चार परिस्थितियां बताई गई है:-

परिस्थिति	विवरण
1.	जब हो रहे/होने वाले संभावित अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान के आंकलन हेतु कोई मानक/मापदण्ड अस्तित्व में नहीं हो।
2.	जब अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ इस प्रकार का हो कि नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति पर्याप्त राहत/संतुष्टि प्रदान नहीं करता हो।
3.	जब इस तथ्य की संभावना हो कि अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति की प्रदानगी संभव नहीं होगी।
4.	जब निषेधाज्ञा राजस्व विवादों की बहुलता को रोकने हेतु आवश्यक हो।

9. इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रकरण में पत्रावली के अवलोकन के अनुसार स्पष्ट है कि प्रकरण में वादीगण का प्रथम अनुतोष स्वीकार होने के पश्चात् मुतनाजा आराजी पर वादीगण का संयुक्त काश्तकार घोषित होने के आधार पर वादीगण की संयुक्त खातेदारी होना पूर्ण रूप से साबित होती है। अतः मुतनाजा आराजी पर मुताबिक हिस्सा वादीगण का संयुक्त स्वामित्व अविवादित है। प्रकरण में वादीगण व प्रतिवादीगण की आराजी का विभाजन किया जाना प्रस्तावित है। उक्त विभाजन के पश्चात् वादीगण व प्रतिवादीगण का पृथक-पृथक खाता कायम किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही हाल में संयुक्त आराजी का रिकॉर्ड में पृथक अंकन किया जाकर मौके पर उसी अनुसार कब्जा भी पृथक से सुपुर्द किया जाना प्रस्तावित है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने हेतु अधिकृत व स्वतंत्र है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध खातेदारी अधिकारों पर नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। इस आधार पर वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं करने हेतु स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित प्रतीत होता है।
10. अतः हाल सह काश्तकार बाद तकसीम अपने पृथक-पृथक संबंधित खाते में दर्ज खातेदारी आराजी के अलावा अन्य खातेदारी आराजी पर बेदखल करने का प्रयास नहीं करने एवं आमद रफत में मजाहमत उत्पन्न नहीं करने बाबत स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित है। अतः

आदेश है कि

दावा वादीगण अन्तर्गत धारा- 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजी खसरा संख्या 1756/5.2690 है0 मौजा गुड़ामालानी पटवार हल्का गुड़ामालानी तहसील गुड़ामालानी मुताबिक कुर्रेजात रिपोर्ट मय नक्शा-ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वादीगण डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं।

खातेदार	हिस्सा	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म
ईशराराम चौधरी पुत्र प्रेमराम जाति कलबी सा0 देह खातेदार	पुर्ण	गुड़ामालानी	1756	2.1076 है0	बा0अ0
कुल किता 01 रकबा 2.1076 है0					
पुखराज पुत्र दोलाराम चेनाराम पुत्र दोलाराम देशांतरी सा0 देह गुड़ामालानी	1/2 1/2	गुड़ामालानी	1756	1.0538 है0	बा0अ0
कुल किता 01 रकबा 1.0538 है0					
भीमा पुत्र मगाराम हरी पुत्र मगाराम शंकर पुत्र मगाराम मोहन पुत्र मगाराम चन्दा पत्नी मगाराम देवाराम पुत्र श्रवण स्वरूपाराम पुत्र श्रवण पूजा कुमारी पुत्री श्रवण भापीदेवी पत्नी श्रवण	1/6 1/6 1/6 1/6 1/6 1/48 1/48 1/48 5/48	गुड़ामालानी	1756	1.0538	बा0अ0
कुल किता 01 रकबा 1.0538 है0					
मदन पुत्र रूपाराम नरपत पुत्र रूपाराम जगदीश पुत्र रूपाराम अशोक पुत्र रूपाराम छगनीदेवी पत्नी रूपाराम	1/5 1/5 1/5 1/5 1/5	गुड़ामालानी	1756	1.0538	बा0अ0
कुल किता 01 रकबा 1.0538 है0					

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि एक-दूसरे के उपरोक्त दर्ज खाता हिस्सा आराजी पर जबरन कब्जा बेदखल न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रूकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शकल मौका आराजी ना बदले। साथ ही तहसीलदार गुड़ामालानी को आदेश दिये जाते है कि पक्षकारों की जाति की जांच करते हुए जाति का अंकन भी राजस्व रिकॉर्ड दुरुस्त करे।

नक्शा कुर्रैजात निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। इसी अनुसार पृथक से पर्चा डिक्री तैयार की जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी को पालनार्थ हेतु भिजवाई जावे। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

यह निर्णय आज दिनांक 05.02.2026 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)

इसराराम बनाम अशोक  
2023 / 342  
निर्णय दिनांक:—05.02.2026  
सहायक कलक्टर  
गुढामालानी





न्यायालय

## सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी

गुड़ामालानी

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2023 / 342

दर्ज तिथि:-06.10.2023

1. इसराराम पुत्र प्रेमराम  
जाति कलबी निवासी गुड़ामालानी तहसील गुड़ामालानी।

.....वादी

बनाम

1. अशोक कुमार पुत्र रूपाराम
2. चन्द्रा पत्नी मगाराम
3. चैनाराम पुत्र दौलाराम
4. छगनीदेवी पत्नी रूपाराम
5. जगदीश पुत्र रूपाराम
6. नरपत पुत्र रूपाराम
7. पुखराज पुत्र दौलाराम
8. भीमाराम पुत्र मगाराम
9. मदन पुत्र रूपाराम
10. मोहन पुत्र रूपाराम
11. शंकर पुत्र मगाराम
12. श्रवण पुत्र मगाराम
13. हरी पुत्र मगाराम
14. देवाराम पुत्र श्रवण
15. पुजा पुत्री श्रवण
16. भोजी पत्नी श्रवण
17. स्वरूपा पुत्र श्रवण

जाति देशान्तरी निवासी गुड़ामालानी तहसील गुड़ामालानी

.....असल प्रतिवादीगण

18. तहसीलदार गुड़ामालानी।

.....तकमीली प्रतिवादीगण

उपस्थित अधिवक्ता

वादीगण:- श्री मोहनलाल विश्नोई

प्रतिवादीगणगण:- श्री डालूराम चौधरी

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955

-:पर्चा डिक्री:-

दावा वादीगण अन्तर्गत धारा- 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजी खसरा संख्या 1756/5.2690 है0 मौजा गुड़ामालानी पटवार हल्का गुड़ामालानी तहसील गुड़ामालानी मुताबिक कुरेजात रिपोर्ट मय नक्शा-ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वादीगण डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं।

खातेदार	हिस्सा	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म
ईशराराम चौधरी पुत्र प्रेमराम जाति कलबी सा0 देह खातेदार	पुर्ण	गुड़ामालानी	1756	2.1076 है0	बा0अ0
कुल किता 01 रकबा 2.1076 है0					
पुखराज पुत्र दोलाराम चेनाराम पुत्र दोलाराम जाति देशांतरी सा0 देह गुड़ामालानी	1/2 1/2	गुड़ामालानी	1756	1.0538 है0	बा0अ0
कुल किता 01 रकबा 1.0538 है0					
भीमा पुत्र मगाराम हरी पुत्र मगाराम शंकर पुत्र मगाराम मोहन पुत्र मगाराम चन्दा पत्नी मगाराम देवाराम पुत्र श्रवण स्वरूपाराम पुत्र श्रवण पूजा कुमारी पुत्री श्रवण भोपीदेवी पत्नी श्रवण	1/6 1/6 1/6 1/6 1/6 1/48 1/48 1/48 5/48	गुड़ामालानी	1756	1.0538	बा0अ0
कुल किता 01 रकबा 1.0538 है0					
मदन पुत्र रूपाराम नरपत पुत्र रूपाराम जगदीश पुत्र रूपाराम अशोक पुत्र रूपाराम छगनीदेवी पत्नी रूपाराम	1/5 1/5 1/5 1/5 1/5	गुड़ामालानी	1756	1.0538	बा0अ0
कुल किता 01 रकबा 1.0538 है0					

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि एक-दुसरे के उपरोक्त दर्ज खाता हिस्सा आराजी पर जबरन कब्जा बेदखल न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे

काशत में रूकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शक्ल मौका आराजी ना बदले। साथ ही तहसीलदार गुड़ामालानी को आदेश दिये जाते है कि पक्षकारों की जाति की जांच करते हुए जाति का अंकन भी राजस्व रिकॉर्ड दुरुस्त करे।

नक्शा कुर्रेजात निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। अहकाम जारी हो। खर्चा अपना—अपना वहन करेगें।

यह डिक्री आज दिनांक 05.02.2026 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाई गई।



(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)

सहायक कलक्टर

गुड़ामालानी